प्रकाशन तिथि : 15 फरवरी, 2025
प्रेषण तिथि : 19 फरवरी, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 23 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

संयम की साधना से होता है ब्रह्मचर्य का अर्जन: संरक्षक श्री

ब्रह्मचर्य वह पूंजी है जिसकी गृहस्थ आश्रम के निर्वहन के लिए आवश्यकता पड़ती है। ब्रह्मचर्य से ही व्यक्तित्व तेजपूर्ण बनता है। ब्रह्मचर्य रूपी इस पूंजी का अर्जन करने के लिए संयम की साधना करनी पड़ती है। इसलिए युवाओं को संयमित जीवन जीते हुए स्वयं को विकारों से मुक्त रखने का प्रयत्न करना चाहिए। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 3-4 फरवरी को संघ के जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में आयोजित ब्रह्मचर्य शिविर में उपस्थित शिविरार्थियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ब्रह्मचर्य से जो ऊर्जा निर्मित होती है वह जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता के लिए नींव का कार्य करती है। गृहस्थ जीवन में प्रवेश से पूर्व का जीवन जितना संयमित एवं तपस्वी होगा, उतना ही गृहस्थ जीवन भी सहज, सफल एवं मर्यादित होगा। माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के संचालन में संपन्न इस दो दिवसीय शिविर में राजस्थान एवं गुजरात के विभिन्न संभागों से पहुंचे 60 अविवाहित स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में ब्रह्मचर्य के महत्व, उसकी साधना, उत्कृष्ट गृहस्थ जीवन की तैयारी के लिए ब्रह्मचारी जीवन की सावधानियों आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

महाराणा प्रताप की स्मृति में 'स्टेच्यू ऑफ इंडिपेंडेंस' का प्रस्ताव

स्वतंत्रता और स्वाभिमान हेतु संघर्ष के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की स्मृति में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बंडोली (चावंड) में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' की तर्ज पर 'स्टेच्यू ऑफ इंडिपेंडेंस' की स्थापना का प्रस्ताव रखा। 8 फरवरी को महाराणा प्रताप स्मारक समिति द्वारा सलूंबर जिले के बंडोली में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि मेवाड़ के महाराणा प्रताप और महाराष्ट्र के शिवाजी महाराज जैसे वीरों ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की आराधना में समर्पित किया है। इतिहास में हमारी संस्कृति और सभ्यता को नष्ट करने के लिए कई प्रयास हुए, फिर भी यह संस्कृति जीवित रही, इसका कारण महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धा ही हैं। ऐसे महानायक के जीवन से सभी प्रेरणा ले सकें, इसके लिए उनको नमन स्वरूप इस स्थान को 'स्टेच्यू ऑफ इंडिपेंडेंस' के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

दस्तावेजों में अंकित होगा प्रिंस बिजयसिंह मेमोरियल चिकित्सालय का पूरा नाम

बीकानेर संभाग के सबसे बड़े अस्पताल प्रिंस बिजयसिंह मेमोरियल चिकित्सालय का नाम विभागीय दस्तावेजों में कई वर्षों से केवल 'पी बी एम' अंकित हो रहा था। इस संबंध में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के संरक्षक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी द्वारा राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को पत्र लिखकर विभागीय दस्तावेजों में अस्पताल का पूरा नाम अंकित करने का अनुरोध किया गया जिस पर 6 फरवरी को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुनः पूरा नाम अंकित किए जाने के आदेश जारी हुए हैं।

श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति ने 84वां स्थापना-दिवस मनाया

जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रांगण में शिक्षा समिति के अंतर्गत संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं द्वारा समिति का 84वां स्थापना-दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 6 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वी.के सिंह (एडीजीपी, एटीएस एवं एसओजी, राजस्थान पुलिस) ने कहा कि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता है इसलिए हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए सबसे आवश्यक है कठिन परिश्रम और अनुशासित रहते हुए आगे बढ़ना।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

नेता प्रतिपक्ष को सौंपे विधायकों के सहमति पत्र

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा केंद्रीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण को लेकर अभियान चलाया जा रहा है जिसमें राजस्थान के विधायकों से केंद्र सरकार को प्रस्ताव भिजवाने हेतु सहमति पत्र लिए जा रहे हैं। 31 जनवरी को फाउंडेशन की टीम ने राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात की।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राणावास (पाली) में कूंपा जी राठौड़ की प्रतिमा का अनावरण

पाली जिले में मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के राणावास गांव में स्थित श्री गोविंद राजपूत शिक्षण संस्थान परिसर में गिरी सुमेल युद्ध के नायक वीर कूंपा जी राठौड़ की अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा का अनावरण 31 जनवरी को समारोह पूर्वक किया गया। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कूंपा जी जैसे जिन वीरों ने अपने रक्त से हमारा गौरवशाली इतिहास रचा है, उनके प्रति हम सभी को कृतज्ञ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समाज के युवाओं को निरंतर प्रोत्साहित करना चाहिए एवं उन्हें सभी प्रकार की सुविधा व मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए। नाथद्वारा विधायक विश्वनाथ सिंह ने कहा कि हम सभी को कूंपा जी जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेनी चाहिए। बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि हमें अपने पूर्वजों द्वारा दिखाए त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलते हुए समाज और राष्ट्र की रक्षा करने में योगदान देना चाहिए। समताराम महाराज ने कहा कि सेवा व समर्पण के भाव के साथ जीवन जी कर ही मनुष्य जीवन को सार्थक किया जा सकता है। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुडा सुरसिंह ने सभी का आभार जताया एवं अपने महान पूर्वजों को स्मरण रखने की बात कही। कार्यक्रम में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, भीनमाल विधायक समरजीत सिंह, पूर्व विधायक खुशवीर सिंह जोजावर, आयोजन समिति के संरक्षक भंवर सिंह मंडली, बीएसएफ कमांडेंट योगेंद्र सिंह सहित अनेकों जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। आसपास के अनेकों गांव से हजारों समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए एवं कूंपा जी के प्रति अपनी श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की।

जम्मू में राजपूत परियोजना महिला सम्मेलन, मातृशक्ति ने निकाली पदयात्रा

जम्मू में अंबाफल स्थित वेद मंदिर प्रांगण में 9 फरवरी को माधव सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में राजपूत परियोजना महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मातृशक्ति द्वारा वेद मंदिर से एक पदयात्रा निकाली गई जो शहर के मुख्य बाजार से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धर्म-जागरण उत्तर क्षेत्र प्रभारी राकेश त्यागी ने समाज में एकता, सामाजिक जागरूकता एवं धर्म व संस्कृति के संरक्षण के महत्व पर अपनी बात रखी। उन्होंने राजपूत समुदाय से अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित करने एवं युवाओं को इन आदर्शों को धारण करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई। किश्तवाड़ विधायक शगुन परिहार ने कहा कि धर्म की रक्षा करने के साथ ही पारिवारिक मूल्यों को सशक्त करने में नारी शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। नारी शक्ति को अपने दायित्व को समझ कर उसके निर्वहन के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। सामाजिक चिंतक सुरेखा चारक ने कहा कि हमें छत्रपति शिवाजी महाराज, जनरल जोरावर सिंह, महाराजा गुलाब सिंह, महाराजा हरि सिंह जी जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र, धर्म एवं समाज की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आना होगा।

सागर (एमपी) में बुंदेलखंड मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन

मध्य प्रदेश के सागर जिला मुख्यालय पर 24 जनवरी को क्षत्रिय महासभा सागर के तत्वावधान में बुंदेलखंड मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति को संबोधित करते हुए पूर्व गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह वर्तमान समय की मांग है कि हमारी माताएं-बहिनें देश और समाज की सेवा में आगे बढ़कर अपना योगदान दें। किसी भी समाज के निर्माण में नारीशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए नारी शक्ति को जागृत करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाना चाहिए। क्षत्रिय महासभा सागर की महिला शाखा की जिलाध्यक्ष प्रीति सिंह ने कहा कि मीरा जैसी भक्ति और भवानी जैसी शक्ति जिसमें हो वही सच्ची क्षत्राणी है। अपनी मयार्दाओं का पालन करते हुए हमें समाज की प्रगति में अपनी भूमिका निभानी है। कार्यक्रम में पन्ना विधायक बृजेंद्र सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार एवं सिवनी मालवा विधायक विजयपाल सिंह भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में मातृशक्ति द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में तलवारबाजी का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित भी किया गया जिनमें कबड्डी कोच संगीता भदोरिया, पत्रकार वंदना तोमर, शिक्षिका कमल सिंह आदि शामिल हैं।

बनारस विश्व हिंदू विश्वविद्यालय में प्रताप टोली की पाक्षिक बैठक

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अध्ययनरत क्षत्रिय विद्यार्थियों के समूह प्रताप टोली की पाक्षिक बैठक 31 जनवरी को आयोजित हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखा एवं साथ ही यहां के विद्यार्थियों के लिए एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के आयोजन पर भी चर्चा की गई।

भीलवाड़ा में श्री प्रताप युवा शक्ति का रक्तदान शिविर आयोजित

भीलवाड़ा के आजाद नगर में स्थित महाराणा कुंभा ट्रस्ट में श्री प्रताप युवा शक्ति के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन 9 फरवरी को किया गया। पूर्व जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह खैराबाद की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित इस रक्तदान शिविर में खड़ेश्वर महाराज एवं पूज्य तनसिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिविर का प्रारंभ श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख गजेंद्र सिंह चौकीखेड़ा के निर्देशन में सामूहिक यज्ञ के साथ हुआ। श्री प्रताप युवा शक्ति के कान सिंह खारडा ने बताया कि शिविर में कुल 1032 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न के रूप में विजय स्तंभ का प्रतिरूप और उपरणा भेंट किया गया। महाराणा कुंभा ट्रस्ट के संरक्षक लक्ष्मण सिंह बड़लियास, मनोहर सिंह हाड़ा, ट्रस्ट के सचिव भगवत सिंह खारडा, शंकर सिंह रेह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे। हंसाराम महाराज, लालजी महाराज (कोटडी), संतदास (हाथीभाटा), बलराम दास (रपट का हनुमान जी), विशाल शास्त्री (जगत कल्याण धाम), योगीदास (बालाजी मंदिर सोडार), शिवदास, उमेश दास सहित अनेक संतों का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। रणजीत सिंह व नागेन्द्र सिंह जामोली ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

अमरावती में मातृशक्ति का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित

महाराष्ट्र के अमरावती में 28 जनवरी को रानी पद्मिनी राजपूत महिला संगठन का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति द्वारा सर्वप्रथम आपसी परिचय किया गया एवं इसके पश्चात विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें हल्दी-कुमकुम, गीत, खेल आदि शामिल रहे। विद्या भारती कॉलेज की उप प्राचार्य मिथिलेश राठौड़, लोक निर्माण विभाग की अधीक्षण अभियंता रूपा गिरासे, संगठन की अध्यक्ष सुषमा ठाकुर, उपाध्यक्ष रिया ठाकुर सहित अन्य मातृशक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

पुष्कर व आबूरोड में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशालाएं आयोजित

श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की अजमेर-नागौर टीम की दो दिवसीय कार्यशाला मँझेवला (पुष्कर) में 3-4 फरवरी को आयोजित हुई। फाउंडेशन के समन्वयक रेवंत सिंह पाटोदा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं फाउंडेशन के बारे में जानकारी दी और बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सामाजिक भाव का समाज हित में किस प्रकार सदुपयोग किया जा सकता है, इसी को लेकर फाउंडेशन कार्य कर रहा है। समाज की युवा ऊर्जा संयोजित होकर सकारात्मक एवं सृजनात्मक स्वरुप धारण करे, इसके लिए आपसी संपर्क, संवाद एवं सहयोग को निरंतर बढ़ाने के लिए कार्य करना है। नागौर व अजमेर जिले में फाउंडेशन के कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा बनाई

गई। कार्यशाला के दूसरे दिन सभी ने अजमेर के संस्थापक अजयपाल जी के मंदिर के दर्शन किए। कार्यशाला में जय सिंह सागू, देशराज सिंह लिसाडिया, विक्रम सिंह सापुन्दा, गिरधर सिंह छाबड़िया, दीपेंद्र सिंह पलाड़ा, पुष्पेंद्र सिंह जालसू, भोजराज सिंह बेगसर, कुलदीप सिंह छबराना, हेम सिंह लिसाड़ीया, अजय सिंह पलाडा, हेमेन्द्र सिंह बड़ाऊ, मूल सिंह मँझेवाला, आजाद सिंह, लोकेंद्र सिंह मंडूकरा, गोविंद सिंह बरांगना, मोनू राठौड़ नैनिया आदि सहयोगी उपस्थित रहे। इससे पूर्व 1 फरवरी को सिरोही जिले की रात्रिकालीन कार्यशाला आबूरोड स्थित श्री मधुसूदन भगवान मंदिर, मूंगथला में आयोजित हुई। कार्यशाला में रेवंत सिंह पाटोदा की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने चर्चा कर सिरोही जिले की आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की। इस दौरान संघ के सिरोही प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा, प्रताप सिंह सादलवा, जगमाल सिंह नागानी, गणपत सिंह पादर, भवानी सिंह भटाना, सुल्तान सिंह ड़बानी, यशपाल सिंह ओर, महिपाल सिंह उन्द्रा, दशरथ सिंह देलदर, हितेंद्र सिंह तरतोली, पृथ्वी सिंह वड़वज आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

दिल्ली में दो दिवसीय विद्यार्थी स्नेह मिलन सम्पन्न

नई दिल्ली के राजघाट स्थित गांधी दर्शन म्यूजियम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के दो दिवसीय विद्यार्थी स्नेह मिलन का आयोजन 8-9 फरवरी को किया गया। संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा तथा दिल्ली संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा की उपस्थिति में संपन्न कार्यशाला में समाज तथा संघ से सम्बंधित विभिन्न प्रकार के विषयों पर सामूहिक चर्चा की गई एवं क्षात्र धर्म के व्यावहारिक स्वरूप को समझने का प्रयास किया गया। अलग अलग सत्रों में हुई चर्चा में बताया गया कि संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली में एक साथ बैठने, एक जैसा सोचने और एक साथ बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे प्रशिक्षित युवा सामाजिक एकता की श्रृंखला में एक मजबूत कड़ी बन सके। संघ केवल सैद्धांतिक

शिक्षण नहीं देता बल्कि उस शिक्षण का व्यावहारिक अभ्यास भी कराता है क्योंकि जो सिद्धांत हमारे व्यवहार में नहीं उतरते वे निष्फल और निरर्थक हो जाते हैं। यह भी बताया गया कि सामूहिक रूप से अभ्यास करना सरल होता है, साथ ही सामूहिक जीवन जीने के अभ्यास से सहयोगी और पारिवारिक भाव भी निर्मित होता है। इस भाव का निर्माण करके ही बिखरे हुए समाज को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। स्नेहमिलन में दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्विद्यालय तथा दिल्ली के अन्य महाविद्यालयों में अध्ययनरत विभिन्न राज्यों यथा उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान आदि प्रदेशों के लगभग 35 विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई। स्नेहमिलन के समापन के अवसर पर सभी प्रतिभागी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर के स्मारक 'जननायक स्थल' पर पहुंचे और उनके देशहित में किए कार्यों को स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

पीथमपुर राजपूत समाज का स्नेहमिलन आयोजित

मध्य प्रदेश के धार जिले के पीथमपुर कस्बे में राजपूत समाज का स्नेहमिलन समारोह 10 फरवरी को आयोजित हुआ। समारोह में समाज की प्रगति से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई एवं दहेज प्रथा व भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया। सामूहिक विवाह समारोह, युवक-युवती परिचय सम्मेलन के आयोजन एवं पीथमपुर में धर्मशाला के निर्माण की योजना भी बनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिओम सिंह ने की एवं मोहन सिंह सिसोदिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं करणी सेना सहित अनेकों सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईआईएससी बेंगलुरु का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा संघशक्ति

ग्रामीण भारत में वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देने एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु द्वारा चलाए जा रहे 'साइंस फॉर रूरल इंडिया' अभियान के तहत राजस्थान के शैक्षिक रूप से पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान की प्रदर्शनी लगाने की पहल की जा रही है। इस संबंध में आईआईएससी बेंगलुरु का प्रतिनिधिमंडल 7 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति पहुंचा एवं श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी से भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। सरवड़ी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया एवं कहा कि इससे ग्रामीण छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी एवं उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने व नवाचार हेतु प्रेरणा मिलेगी। प्रतिनिधि मंडल में आईआईएससी बेंगलुरु के पूर्व वैज्ञानिक दिनेश सिंह, भारतीय नौसेना में कार्यरत चक्रधर सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय के शोधार्थी मानवेंद्र सिंह दांतली, एमएनआईटी जयपुर के विद्यार्थी रवि, निखिल एवं योगेंद्र सिंह बामणिया शामिल थे।

रणसी गांव में मनाई चांपाजी राठौड़ की 612वीं जयंती

जोधपुर जिले के रणसी गांव में स्थित जस्सा स्टड फार्म पर वीरवर चांपाजी राठौड़ की 612वीं जयंती 1 फरवरी को समारोह पूर्वक मनाई गई। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चांपा जी राठौड़ से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने जनता के हित के लिए राज्य तक का त्याग करने का साहस दिखाया। हमें भी इस लोकतंत्र में सभी को साथ लेकर चलना है क्योंकि वर्तमान में जिसके पास जनबल है उसी के पास सत्ता का भी बल रहता है। समताराम महाराज (पुष्कर) ने कहा कि युवा पीढ़ी को चांपा जी के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं उनका अनुसरण करते हुए

राष्ट्र और समाज के हित में जीवन जीना चाहिए। गिरवरनाथ महाराज पालासनी, बिलाड़ा प्रधान प्रगति कुमारी, संरक्षक घनश्याम सिंह गंठिया, भैरू सिंह चंपावत आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवं चांपा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बताते हुए उन्हें नमन किया। धरोहर संरक्षण व प्रोन्नति विभाग अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने चांपा जी के पैनोरमा निर्माण को लेकर शीघ्र कार्य प्रारंभ होने की बात कही। आयोजन समिति के सवाई सिंह चंपावत में कहा कि चांपा जी की आदमकद प्रतिमा शीघ्र ही कापरडा में स्थापित की जाएगी। रतन सिंह व वीरेंद्र सिंह खिंदास ने मंच संचालन किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की 116 प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों समाजबंधु शामिल हुए।

संपादकीय

'शक्ति और पंचायती'

शक्ति समस्त कामनाओं की कामना, आकांक्षाओं की आकांक्षा और चेष्टाओं की चेष्टा है। शक्ति के अभाव में समस्त कामनाएं सूख जाती हैं, आकांक्षाएं निष्फल हो जाती हैं और चेष्टाएँ निश्चेष्ट हो जाती हैं। शक्ति ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की प्रदाता है। इसीलिए संसार के इतिहास पर अपने अमिट पदचिह्न स्थापित करने वाले कर्मवीरों ने सदैव शक्ति की ही आराधना की है और शक्ति के धारक बनकर ही वे अपने निश्चित किए ध्येय की सिद्धि में सफल हुए। अपेक्षित शक्ति और सामर्थ्य की अनुपस्थिति में कोई भी ध्येय या उद्देश्य केवल कल्पना बन कर रह जाता है। अतः ध्येयनिष्ठ व्यक्ति के लिए ध्येय प्राप्ति हेतु आवश्यक शक्ति की उपासना अर्थात उस शक्ति को अर्जित करने का प्रयत्न भी उसकी ध्येयनिष्ठा का ही अंग है। शक्ति की यह अनिवार्यता जीवन के प्रत्येक ध्येय के लिए सत्य है और समाज जागरण के ध्येय के लिए भी यही सत्य है। किंतु आज यदि सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत अधिकांश व्यक्तियों अथवा संस्थाओं की कार्यशैली पर दृष्टिपात किया जाए तो शक्ति की उपासना अथवा शक्ति के अर्जन की कोई साधना वहां दिखाई नहीं पड़ती, बल्कि अलग-अलग रूपों में पंचायती अर्थात येन केन प्रकारेण तात्कालिक परिस्थितियों से समझौता कर संघर्ष से बचने का मार्ग निकालने की प्रवृत्ति ही वहां स्थान जमाए मिलेगी। पंचायती को अपनी कार्यशैली का मुख्य साधन बनाने वाले ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के उद्देश्य की वैधता उनके अपने उद्देश्य की महानता, स्पष्टता और व्यावहारिकता से नहीं बल्कि उस उद्देश्य के प्रति अन्य लोगों के दृष्टिकोण और थोथे शाब्दिक समर्थन से निर्धारित होती है। इसी कारण उनकी समस्त ऊर्जा, जो लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक शक्ति को जुटाने की साधना में लगनी चाहिए, अपनी और अन्यों की पंचायती में ही खर्च हो जाती है। वे अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूसरों से शाब्दिक समर्थन की अपेक्षा करते रहेंगे, दूसरों की शक्ति को अपने पक्ष में लेने के लिए तिकड़में लगाएंगे, दूसरों को येन-केन-प्रकारेण बरगलाने का प्रयास करेंगे, समझौते का मार्ग अपनाएंगे किंतु वे यह नहीं समझ पाते कि सामाजिक शक्ति चुराकर अथवा याचना करके प्राप्त नहीं की जा सकती। समाज स्वयं शक्ति संपन्न है लेकिन वह अपनी शक्ति किसी चोर अथवा याचक को नहीं देता बल्कि उस योग्य पात्र को ही प्रदान करता है जो साधना द्वारा स्वयं को उस शक्ति को धारण करने के योग्य बना जाता है।

अतः सामाजिक क्षेत्र में उतरने वाले प्रत्येक व्यक्ति और संस्था को यह भली-भांति समझ लेना चाहिए कि यह कार्य परमुखापेक्षी बनकर नहीं किया जा सकता बल्कि इसके लिए स्वयं साधना द्वारा शक्ति जुटानी होगी। इस साधना में उसे समस्त विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर अडिग रहना होगा और यह तभी संभव है जब अपने लक्ष्य में उसकी अटूट निष्ठा हो। पंचायती ऐसी निष्ठा का प्रतीक नहीं है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने 'शिक्षक की समस्याएं' पुस्तक में लिखा है - 'शक्ति कभी पंचायती पसंद नहीं करती। अपनी आस्थाओं के लिए जो टूटना स्वीकार कर ले, लेकिन हारना या झुकना स्वीकार नहीं करे, केवल उसी व्यक्ति में शिक्षक व नेतृत्व की नैसर्गिक क्षमता है।' इसलिए जो वास्तव में समाज में परिवर्तन लाना चाहते हैं, उन्हें पंचायती का मार्ग छोड़कर साधना का मार्ग अपनाना होगा। समाज ऐसे साधकों को स्वयं नेतृत्व सौंपने को उत्सुक रहता है क्योंकि वह उन्हीं में उस शक्ति को धारण करने की क्षमता देखता है। हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि हमारे पूर्वजों ने अपनी विजयगाथाएं पंचायती से नहीं बल्कि शक्ति और सामर्थ्य से रची थीं। उन्होंने अपने उद्देश्य को, अपने स्वधर्म को शब्दों और तर्कों से नहीं बल्कि शक्तिपूर्वक उस स्वधर्म का पालन करके प्रतिष्ठित किया था। उन्हें यह भली भांति स्पष्ट था कि क्षात्रधर्म का पालन पंचायती से नहीं अपितु शक्ति-संपन्न होकर ही किया जा सकता है। शक्तिविहीन होकर पंचायती और जोड़-तोड़ से जीवित रहना क्षत्रिय जाति ने किसी काल में स्वीकार नहीं किया। शक्ति ही क्षत्रिय का प्राण है। इसलिए आज भी हमारे समाज में कार्य करने वाले को शक्ति का उपासक होना अनिवार्य है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसीलिए शक्ति निर्माण की साधना में जुटा हुआ है। वर्तमान युग में संगठन ही शक्ति का सर्वोच्च रूप है इसलिए संघ संगठन के रूप में शक्ति की साधना कर रहा है। इस मार्ग में पंचायती को वह स्वीकार नहीं करता क्योंकि वह शक्ति सृजन में सहायक न होकर उसे नष्ट करने वाली कमजोरी है। पंचायती का स्वभाव वास्तव में कायरता का स्वभाव है जो शक्ति के निर्माण के लिए आवश्यक संघर्ष से बचना चाहता है। शक्ति का निर्माण एक उर्ध्वगामी साधना है जिसमें संघर्षों, कठिनाइयों और विपरीत परिस्थितियों का आना अनिवार्य है क्योंकि इनसे गुजर कर ही वह क्षमता आती है जो निर्मित होने वाली शक्ति को धारण कर सकती है। संगठन की श्रृंखला की जो कड़ी बनने वाला है उसे भी शक्ति संपन्न होकर मजबूत बनना पड़ेगा तभी संगठन रूपी श्रृंखला भी शक्तिशाली और मजबूत बनेगी। ऐसे संगठन की शक्ति से ही समाज अपने खोए हुए गौरव और वैभव को पुनः प्राप्त कर सकता है। पूज्य तनसिंह जी इसीलिए लिखते हैं कि - 'हमारा समाज उन लोगों की प्रतीक्षा करता है जो अपनी अपराजेय संकल्प शक्ति से साधना में प्रवृत्त हों। हमारा समाज उन्हीं लोगों पर अपने उज्जवल भविष्य की आशा करता है।' समाज की इस आशा को हम भी समझें एवं चिंतन करें कि कहीं हम साधना द्वारा शक्ति निर्माण के क्षत्रियोचित मार्ग को छोड़कर पंचायती के निकृष्ट मार्ग को अपनाकर अपनी ऊर्जा व्यर्थ तो नहीं गवां रहे हैं। यदि हम ऐसा कर रहे हैं तो समाज हित में कार्य करने का हमारा दावा थोथा ही सिद्ध होगा एवं ऐसी स्थिति में न तो हमें समाज से सहयोग प्राप्त होगा न ही हम समाज के सहयोगी बन सकेंगे। इसलिए आएं, पंचायती के मार्ग को छोड़कर शक्ति की आराधना के क्षत्रियोचित मार्ग को अपनाएं और समाज की हमसे की गई आशाओं को पूरा करने का प्रयत्न करें।

बलिया में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक आयोजित

उत्तर प्रदेश के बलिया के चिलकहर ब्लॉक स्थित कलचुरी गढ़ में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक 9 फरवरी को आयोजित हुई जिसमें क्षेत्र में संस्था की गतिविधियों के साथ ही समाज की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा की गई। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक ठाकुर सुभाष सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब सामाजिक कार्यकर्ता हैं और हममें कोई भी बड़ा या छोटा नहीं है। हम सभी को एक होकर समाज के हित में कार्य करते रहना है। हम एक होकर रहेंगे तभी समाज मजबूत बन सकेगा। उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज का आज चारों ओर से उत्पीड़न हो रहा है इसलिए हमें आपसी मतभेदों को भूलकर एक मंच पर आना होगा। आज के बदलते परिवेश में जो नई चुनौतियां हमारे समाज के सामने हैं उनसे लड़ने के लिए हमें आज के समय के अनुकूल तरीके अपनाने पड़ेंगे। बैठक में संस्था के पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष उग्रसेन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, संजय कुमार सिंह, आनंद प्रकाश सिंह, प्रदेश सचिव अजय कुमार सिंह सहित अनेकों पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे।

राजपूत महासभा संस्थान का 26वां सामूहिक विवाह समारोह

राजपूत महासभा संस्थान उदयपुर संभाग के तत्वावधान में 26वां सामूहिक विवाह समारोह 2 फरवरी को उदयपुर स्थित हेमराज राष्ट्रीय व्यायामशाला में आयोजित किया गया जिसमें तीन जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। संस्थान के अध्यक्ष संत सिंह भाटी, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा रेखा चुंडावत, महासचिव प्रदीप सिंह भाटी, सचिव हितेंद्र सिंह भाटी आदि ने उपस्थित रहकर व्यवस्था का दायित्व संभाला।

बन्हेड़ा स्टेशन का नामकरण हो महाराणा प्रताप के नाम पर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में देवबंद-रुड़की रेलवे लाइन पर नवनिर्मित बन्हेड़ा स्टेशन का नामकरण वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नाम पर करने की मांग करते हुए राजपूत चेतना मंच के तत्वावधान में 11 फरवरी को एसडीएम दीपक कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर कर्नल राजीव, एडवोकेट सुरेंद्र पाल, एडवोकेट रिहान, डॉ शमीम, शेरखान, उम्रदराज सहित अनेकों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गोगादेव राजपूत समाज का सामाजिक बंधुत्व मेला

बालेसर क्षेत्र के सेखाला गांव में स्थित श्री गुरु जलंधरनाथ मंदिर में श्री गोगादेव राजपूत समाज द्वारा 31 जनवरी को सामाजिक बंधुत्व मेले का आयोजन किया गया। श्री गोगादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष कंवर सिंह राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंदिर ट्रस्ट के लिए भूमि आवंटन एवं गोगादेव जी के पैनोरमा के निर्माण की योजना की जानकारी दी। महेंद्र सिंह ने विवाह आदि पारिवारिक आयोजनों में व्यर्थ दिखावे एवं फिजूलखर्ची से दूर रहने का आह्वान किया। भाजपा जिला महामंत्री जसवंत सिंह इंदा ने कुरीतियों से बचने एवं बालिका शिक्षा को महत्त्व देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के विद्यार्थियों, खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2025 के श्री गोगादेव कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का भी आयोजन हुआ।

रोजड़ां में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन

चित्तौड़गढ़ प्रांत में विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ के आयोजन के क्रम में 2 फरवरी को रोजड़ां गांव में स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में कार्यक्रम रखा गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में सामूहिक यज्ञ के पश्चात श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में उपस्थित समाजबंधुओं को जानकारी दी गई। इस अवसर पर लक्ष्मण सिंह भाटियों का खेड़ा, अजय पाल सिंह चरपोटिया, जीवन सिंह नरधारी, ललित सिंह चुंडावत, रोजड़ां से नरवर सिंह, अभिषेक सिंह, दक्षराज सिंह, कुलदीप सिंह, लक्ष्यराज सिंह, राजवीर सिंह, यशराज सिंह, अरविंद सिंह, युवराज सिंह, जोरावर सिंह, ज्योति कंवर, सुमन कंवर, वैदिका कंवर आदि उपस्थित रहे।

इंदौर में राजपूत समाज का परिचय सम्मेलन आयोजित

मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थित चिमनबाग स्काउट ग्राउंड मैदान में राजपूत परिषद के तत्वावधान में विवाह योग्य राजपूत समाज के युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन 9 फरवरी को आयोजित हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महू विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि अपने परिवार का वातावरण स्नेहपूर्ण एवं सात्विक रखने का हम सभी को प्रयास करना चाहिए। इसके लिए प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए जीवन जिएं, शास्त्रों का अध्ययन करें एवं तपस्या व साधना को अपनी जीवन शैली बनाएं। उन्होंने प्रभु श्री राम-सीता एवं शिव-पार्वती से प्रेरणा लेकर उन्हीं की भांति आदर्श जीवन जीने की बात कही।

गजपाल सिंह बने उदयपुर शहर भाजपा अध्यक्ष

गजपाल सिंह राठौड़ को उदयपुर शहर भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने 29 जनवरी को उदयपुर में पटेल सर्कल स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला संगठन की बैठक में इसकी घोषणा की। पाली जिले के गुड़ा सुर सिंह निवासी गजपाल सिंह छात्र जीवन में भूपाल नोबल्स महाविद्यालय उदयपुर के छात्र संघ महासचिव रह चुके हैं, साथ ही भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष, उदयपुर शहर भाजपा महामंत्री सहित अन्य दायित्व भी संभाल चुके हैं।

जयश्री राणावत को राज्य में प्रथम स्थान

जवाहर नवोदय विद्यालय मावली की छात्रा जयश्री राणावत ने रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'वीर गाथा अभियान 4.0' में भाग लेते हुए चित्रकला में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों से चलाए जा रहे इस सृजनात्मक अभियान में मूर्तिकला, चित्रकला और लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

कुणघेर (गुजरात) में नागणेच्या माता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

गुजरात के पाटन जिले के कुणघेर गांव में राठौड़ वंश की कुलदेवी नागणेची माता के नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 7 फरवरी को संपन्न हुई। कार्यक्रम में गांव के प्रत्येक परिवार से समाज बंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। गांव में रहने वाले सिंधल राठौड़ समाजबंधुओ द्वारा सामूहिक रूप से इस मंदिर का निर्माण किया गया। उल्लेखनीय है कि जालौर जिले की आहोर तहसील के रोड़ला गांव से राघव सिंह सिंधल विक्रम संवत 1732 में गुजरात के कुणघेर गांव में जाकर बसे थे जिनके वंशज 351 वर्षों से वहां निवास कर रहे हैं।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

देवखेड़ी (केकड़ी) में समारोह पूर्वक मनाई गोकुलदास जी की 439वीं जयंती

केकड़ी क्षेत्र के देवखेड़ी गांव में महाराजा गोकुलदास जी शक्तावत की 439वीं जयंती 30 जनवरी को समारोह पूर्वक मनाई गई जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों समाजबंधु शामिल हुए। रणधीर सिंह भिंडर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा गोकुलदास जी की दानवीरता और शौर्य हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। भूपेंद्र सिंह सावर ने कहा कि गोकुलदास जी ने अपने पराक्रम का परचम सावर से लेकर ढाका तक लहराया था। ऐसे पुरुषार्थी पूर्वजों से प्रेरणा लेकर हमें भी प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। समारोह में उद्योगपति मेघराज सिंह रॉयल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत संगठन मंत्री वीरेंद्र सिंह शक्तावत, श्री राजपूत करणी सेना अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना, केकड़ी प्रधान होनहार सिंह सापुंदा, शैलेंद्र सिंह पिपलाज, जसवंत सिंह डोराई, प्रभाकरण सिंह बिसुंदनी, महेंद्र सिंह ढोस, नारायण सिंह हिंगोनिया सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने पूर्वजों को स्मरण करके उनसे प्रेरणा लेने की बात कही एवं समाज में संगठन को बढ़ाने हेतु कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दुर्गा सिंह पिपलाज ने गोकुलदास जी के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। मंच संचालन भूपेंद्र सिंह पिपलाज ने किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह के पौत्र गोकुलदास जी अपनी दानवीरता और शौर्य के लिए प्रख्यात हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वे प्रतिदिन भूदान और गोदान करने के पश्चात ही अन्न-जल ग्रहण करते थे। गोकुलदास जी को 1671 में मुगल शासक जहांगीर की सेना से लड़ते हुए 81 घाव लगे और इन घावों से निकली सवा सेर हड्डियां स्वयं गोकुलदास जी ने गंगा में तर्पण की। उनकी दानवीरता और शौर्य के कारण उनके लिए 'दूना दातार चौगणा जुझार' की उक्ति भी कही जाती है। गोकुलदास जी के वंशज गोकुलदासोत शक्तावत कहलाते हैं जिनके ठिकाणे सावर, पिपलाज, बिसुन्दनी, चोसला, बदनौर, घटियाली, देवखेडी, देवली, कुचलवाड़ा, रुद, मदारा, बडला, बन का खेडा, बुर्छा (जोधपुर), अभयपुर (कोटा), टाकावास, चांदथली आदि स्थानों पर है।

कटारगढ़ में मनाई महाराव मुंजाजी की जयंती

पाली जिले के बाली उपखंड क्षेत्र में कटारगढ़ (सेवाड़ी) में महाराव मुंजाजी बालेचा चौहान की जयंती के उपलक्ष्य में 4 फरवरी को समारोह का आयोजन हुआ। विक्रम सिंह बीजापुर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी धरोहर, इतिहास और संस्कृति को बचाने के लिए हम सभी को जागरूक होना होगा। भान सिंह चौहान ने मुंजाजी के जीवन चरित्र के बारे में बताया। उप प्रधान महावीर सिंह चौहान ने युवाओं से कड़ी मेहनत करके विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष पर पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर कस्बे के मुख्य मार्गो से शोभायात्रा भी निकाली गई। कार्यक्रम में मुंजा जी ट्रस्ट द्वारा मां आशापुरा मंदिर के निर्माण की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। शैतान सिंह सेंदला, उगम सिंह कुमटिया, भगवान सिंह दुदनी, छैल सिंह करवना, सुरेंद्र सिंह श्रीसेला, ओमपाल सिंह पादरला, शक्ति सिंह श्रीसेला, मनोहर सिंह करणवा, प्रताप सिंह कोठार सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए।

पुष्पा राणा की कप्तानी में हिमाचल प्रदेश को मिली जीत

हिमाचल प्रदेश की महिला कबड्डी टीम ने पुष्पा राणा की कप्तानी में 38वीं राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की है। राणा की कप्तानी में हिमाचल की टीम ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता जीती है। उत्तराखंड के हरिद्वार में खेली जा रही इस प्रतियोगिता के 2 फरवरी को आयोजित हुए फाइनल में हिमाचल ने हरियाणा की टीम को 27-22 से हराया। पुष्पा राणा के अतिरिक्त इस 10 सदस्यीय टीम में ज्योति ठाकुर, चंपा ठाकुर, भावना ठाकुर, काजल ठाकुर, शगुन ठाकुर एवं शिवानी ठाकुर के रूप में छह अन्य राजपूत खिलाड़ी भी शामिल रहीं।

पुरुनिका सिसौदिया ने विश्वकप के किया भारत का प्रतिनिधित्व

उत्तरप्रदेश के बागपत जिले के गांव डौला की मूल निवासी पुरुनिका सिसौदिया ने अंडर-19 टी-20 महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट की सदस्य के रूप में टीम की जीत में अहम योगदान दिया। विश्व कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया जिसमें पुरुनिका सिसौदिया ने 6 रन देकर तीन विकेट लिए। पुरुनिका के पिता सुधीर सिंह सिसौदिया भी क्रिकेट खिलाड़ी रह चुके हैं। पुरुनिका का 14 वर्ष की आयु में दिल्ली की राज्य अंडर-19 टीम में चयन हुआ जहां वह 17 विकेट लेकर देश में गेंदबाजों की सूची में आठवें स्थान पर रहीं। इसके बाद वर्ष 21-22 में अंडर-19 और सीनियर टीम में पुनः चयनित हुई, जहां सीनियर टीम में 14 विकेट लेकर देश में दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं वर्ष 22-23 में अंडर-19 इंडिया-बी टीम में उनका चयन हुआ। आईपीएल मे बतौर गेंदबाज गुजरात जायंट्स टीम में भी उन्होंने जगह बनाई।

3 मार्च को मनेगा स्वतंत्रता सेनानी अर्जुन सिंह का शहादत दिवस

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानी पोड़ाहाट महाराजा अर्जुन सिंह का शहादत दिवस 3 मार्च को झारखंड के पश्चिमी सिंहपुर जिले के चक्रधरपुर शहर में मनाया जाएगा। 8 फरवरी को चक्रधरपुर स्थित वन विश्रामागार परिसर में सिंहभूमि क्षत्रिय महासभा पोड़ाहाट की चक्रधरपुर इकाई की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में 12 मार्च को होली स्नेहमिलन के आयोजन का भी निर्णय लिया गया, साथ ही उपस्थित समाजबंधुओ द्वारा विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में महासभा की चक्रधरपुर इकाई के अध्यक्ष जयकुमार सिंह देव, सचिव राहुल आदित्य, दीपक कुमार सिंह, प्रवीर प्रताप सिंह सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

बारां में राजपूत समाज का स्नेहमिलन आयोजित

बारां में कोटा रोड स्थित मैरिज हॉल में राजपूत समाज का स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह बसंत पंचमी के दिन आयोजित हुआ। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना बारां के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वंशवर्धन सिंह बूंदी ने कहा कि हम सभी समाज को अपना परिवार मानकर एक होकर रहें तो कोई भी हमें हानि नहीं पहुंचा सकता। यदि हम विभाजित होकर रहेंगे तो हम कमजोर बने रहेंगे और इस कमजोरी के कारण अपने विरुद्ध होने वाले आक्रमणों के शिकार होते रहेंगे। बड़ौदा रियासत के महीपत सिंह ने भी आपसी मतभेदों को बुलाकर समाज हित में मिलकर कार्य करने की बात कही और रोजगार व शिक्षा को लेकर में जागृति लाने की आवश्यकता जताई। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह कटार, शिवराज सिंह नागदा, शंभू सिंह कोटडा, जगदीश सिंह बड़ौदा, विक्रम सिंह रहलाई, दौलत सिंह पांडूहेली, रश्मि राठौड़, हेमलता चौहान सहित अनेकों गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली राजपूत समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया।

डूंगरपुर में हुई वागड़ क्षत्रिय महासभा की बैठक

श्री लक्ष्मण राजपूत छात्रावास की प्रबंध कार्यकारिणी एवं वागड़ क्षत्रिय महासभा की संयुक्त बैठक डूंगरपुर स्थित श्री लक्ष्मण राजपूत छात्रावास में 9 फरवरी को आयोजित हुई। बैठक में महासभा के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह चिबूडा एवं पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह भेखरेड उपस्थित रहे एवं छात्रावास में रह रहे छात्रों से उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने छात्रों से एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करने एवं शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से खेल-कूद आदि गतिविधियों में भी सक्रिय रहने की बात कही। बैठक के दौरान वागड़ क्षत्रिय महासभा के संरक्षक एवं श्री लक्ष्मण राजपूत छात्रावास समिति के ट्रस्टी स्व. दौलत सिंह राठौड़ को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

उदयपुर में नौवां सामूहिक विवाह समारोह आयोजित

उदयपुर में मेवाड़ राजपूत समाज सेवा संस्थान गोवर्धन विलास के तत्वावधान में नौवां सामूहिक विवाह समारोह बसंत पंचमी के दिन (2 फरवरी को) रेती स्टैंड स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ जिसमें 11 नवदंपति विवाह के बंधन में बंधे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस शहर अध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़, विधायक फूल सिंह मीणा, बड़गांव उप प्रधान प्रताप सिंह राठौड़, ओनार सिंह सिसोदिया, जीवन सिंह चौहान, प्रताप सिंह सोलंकी, राम सिंह चौहान सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे एवं संस्था की इस पहल की सराहना की। संस्था के संरक्षक लक्ष्मण सिंह चौहान एवं अध्यक्ष हरि सिंह चौहान ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

श्री भवानी...

उन्होंने कहा कि समाज में यदि शीघ्र और सकारात्मक बदलाव लाना है तो विद्यार्थियों को अच्छी पुस्तकों के पठन-पाठन की ओर ध्यान देना चाहिए, तभी उनमें मौलिकता का विकास होगा। समारोह के अध्यक्ष बहादुर सिंह राठौड़ (सेवानिवृत्त उप महानिरीक्षक, राजस्थान पुलिस) ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए समाज में सभी संस्कारों पर दिए जाने वाले नेग के साथ शिक्षा नेग का प्रावधान भी किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उत्तरोत्तर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसी एक सफलता को प्राप्त करके रुक जाना ही जीवन नहीं है, बल्कि सदैव नए लक्ष्य तय करके उनकी ओर बढ़ते रहना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के संस्थापक महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया। श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष नगेन्द्र सिंह बगड़ ने शिक्षा समिति की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। सम्पत सिंह धमोरा ने संस्था के इतिहास से अवगत कराया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इस अवसर पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। समिति के सचिव सुदर्शन सिंह सुरपुरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महाराणा प्रताप...

इससे न केवल महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व से सभी प्रेरणा ले पाएंगे बल्कि पर्यटक भी इस स्थान पर आने के लिए आकर्षित होंगे। इससे पूर्व राज्यपाल ने यहां स्थित महाराणा प्रताप की छतरी पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर तखत सिंह शक्तावत, सलूंबर विधायक शांता देवी, स्मारक समिति के पदाधिकारी एवं स्थानीय क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नेता प्रतिपक्ष...

जिसमें तब तक प्राप्त 72 विधायकों के सहमति पत्र उन्हें सौंपकर ईडब्ल्यूएस आरक्षण के केंद्र में सरलीकरण हेतु विधानसभा से प्रस्ताव भिजवाने हेतु आग्रह किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने फाउंडेशन की बात को गंभीरता से सुना एवं विधानसभा से इस बाबत प्रस्ताव भिजवाने पर अपनी सहमति व्यक्त की।

मूल सिंह पांचोटा को पितृशोक

श्री छैल सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक मूल सिंह पांचोटा के पिता **श्री छैल सिंह जी** का देहावसान 12 फरवरी 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

भीख सिंह रतनपुर को भ्रातृशोक

सवाई सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भीखसिंह रतनपुर के बड़े भ्राता **सवाई सिंह** पुत्र अनोप सिंह जी का देहावसान 2 फरवरी 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

नारायण सिंह इन्द्राणा का देहावसान

नारायण सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **नारायण सिंह इन्द्राणा** का देहावसान 05 फरवरी 2025 को हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के नौ शिविरों में प्रशिक्षण लिया जिनमें एक उच्च प्रशिक्षण शिविर, एक माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं सात प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। अगस्त 1997 में पिपलिया महादेव मंदिर समदड़ी में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

मध्यकालीन इतिहास के अद्वितीय नायक हैं राणा सांगा

(पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित कर दी श्रद्धांजलि)

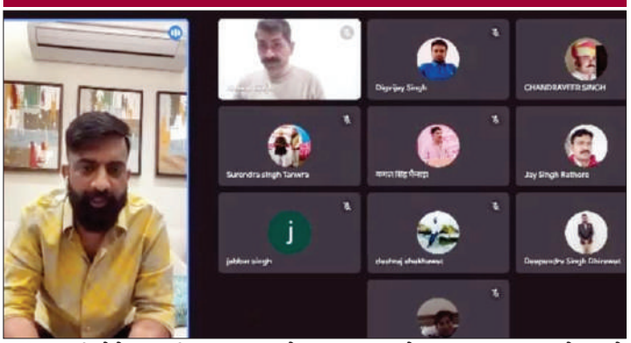

30 जनवरी को विदेशी आक्रमणकारी बाबर के विरुद्ध भारत के अंतिम शासक के रूप में संघर्ष करने वाले मेवाड़ के सम्राट महाराणा सांगा की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में वर्चुअल कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में महाराणा सांगा के जीवन वृत एवं इतिहास के बारे में बताते हुए इतिहास के अध्येता एवं शिक्षक राजवीर सिंह चलकोई ने कहा कि राणा सांगा के पिता रायमल जी भी एक न्यायप्रिय शासक थे जिन्होंने नारी सम्मान के लिए अपने पुत्र जयमल की हत्या को भी क्षमा कर दिया था। राणा सांगा का प्रारंभिक जीवन संघर्षों से भरा रहा जहां उन्हें अपने ही भाईयों के कारण चित्तौड़ को त्यागना पड़ा। वे 1509 में मेवाड़ के शासक बने। उन्होंने 1517 में खातौली युद्ध में एवं 1518 में बाड़ी युद्ध में दिल्ली के शासक इब्राहिम लोदी को परास्त किया और उसके प्रभुत्व को नष्ट कर दिया। 1519 में मालवा के शासक महमूद खिलजी द्वितीय को राणा सांगा ने गागरोण के युद्ध में पराजित किया और उसे बंदी बना लिया। 3 माह कैद रखने के बाद खिलजी द्वारा क्षमा मांगने पर उन्होंने उसे मुक्त कर दिया। ईडर के युद्ध में सांगा ने गुजरात के शासक मुहम्मद शाह की सेना को भी परास्त कर दिया था। खानवा की प्रथम लड़ाई में भी सांगा की सेना ने बाबर की सेना के हरावल दस्ते को बुरी तरह से परास्त कर दिया था। यह उनके शौर्य, सैन्य कुशलता एवं योग्यता का प्रमाण है। वे वीर और शक्तिशाली होते हुए भी अन्य शासको एवं उनकी संप्रभुता का सम्मान करते थे। यही कारण है कि बाबर के विरुद्ध खानवा के युद्ध में राणा सांगा की सेना में राजस्थान की प्रत्येक क्षत्रिय रियासत से योद्धा और सैनिक शामिल हुए थे। आमेर से पृथ्वीराज कच्छवाहा, बीकानेर से कल्याणमल, जोधपुर से मालदेव, मेड़ता से रतन सिंह (मीरा के पिता) व वीरमदेव, ईडर से भारमल, बूंदी से नरबद हाडा, सिरोही से अखैराज देवड़ा, चंदेरी से मेदिनी राय, वागड़ से उदय सिंह, देवलिया से बाघ सिंह, सलूंबर से रतन सिंह चुंडावत, सादड़ी से झाला अज्जा से लेकर मेवात से हसन खान मेवाती सहित अनेकों राज्यों के शासक व योद्धा सांगा के साथ थे। राणा सांगा जब घायल हो जाते हैं तब झाला अज्जा उनके छत्र चंवर धारण करके सेना का नेतृत्व करते हैं। तोपों के प्रयोग और पीछे से वार करने के कारण यद्यपि बाबर ने यह लड़ाई जीत ली लेकिन इसमें उसकी सेना का भी इतना भारी नुकसान हुआ कि उसने इस युद्ध के बाद राजस्थान में आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं की। सांगा को दौसा के निकट बसवा नामक स्थान पर लाया गया और यहां जब उन्हें होश आया तो वे बहुत नाराज हुए कि उन्हें युद्धस्थल से दूर क्यों लाया गया। वे प्रण करते हैं कि जब तक बाबर को हरा नहीं दूंगा तब तक वापस चित्तौड़ नहीं जाऊंगा। रणथंभौर पहुंचकर उन्होंने पुनः युद्ध की तैयारी प्रारंभ की और जब बाबर द्वारा चंदेरी के मेदिनी राय पर आक्रमण का संदेश मिला तो वे मेदिनी राय की सहायता के लिए सेना लेकर रवाना हो गए। वे मार्ग में कालपी नामक स्थान पर रुके जहां उन्हीं के साथियों ने युद्ध से बचने के लिए उन्हें जहर दे दिया जिससे उनकी मृत्यु हो गई। उनका दाह संस्कार भीलवाड़ा में मांडलगढ़ नामक स्थान पर किया गया जहां उनकी छतरी बनी हुई है। चलकोई ने कहा कि सांगा न केवल अद्वितीय योद्धा थे बल्कि तत्कालीन समय के साधु-संतों से भी उनके घनिष्ठ संबंध रहे थे। विश्नोई संप्रदाय के संस्थापक जांभोजी से भी वे प्रभावित थे और इसी कारण से उन्होंने मेवाड़ में विश्नोईयों की चुंगी समाप्त कर दी थी। गुज्जरों के आराध्य देवता देवनारायण जी का चित्तौड़ स्थित देव डूंगरी मंदिर भी सांगा ने ही बनवाया था। ऐसे महान व्यक्तित्व के साथ इतिहास ने न्याय नहीं किया और इतनी विशेषताओं के होते हुए भी उन्हें उपेक्षित किया गया। उनके वास्तविक इतिहास को सभी के सामने लाने का हमें प्रयास करना चाहिए यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि सांगा मध्यकालीन इतिहास के अद्वितीय नायक हैं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के होते हुए भी विदेशी शासको से निरंतर संघर्ष किया किंतु किसी भी भारतीय शासक पर उन्होंने आक्रमण नहीं किया। उनका जन्म 12 अप्रैल 1482 को और देहावसान 30 जनवरी 1528 को हुआ। 1509 में वे मेवाड़ के शासक बने। मात्र 19 वर्ष के शासनकाल में उन्होंने 19 बड़े युद्ध लड़े जिनमें से अंतिम खानवा के युद्ध को छोड़कर प्रत्येक युद्ध में विजय प्राप्त की। सांगा जितने वीर थे उतने ही सरल हृदय भी थे इसलिए उन्होंने न केवल अपनी शरण में आए प्रत्येक व्यक्ति की रक्षा की और उसके लिए बड़ी से बड़ी शक्ति से टकराने से भी पीछे नहीं हटे, बल्कि महमूद खिलजी जैसे शत्रु को भी क्षमा मांगने पर क्षमा कर दिया। उन्होंने अपने पुत्र और मीरा जी के पति भोजराज की मृत्यु के बाद मीरा जी को भी संरक्षण प्रदान किया। पूज्य तनसिंह जी ने सांगा को कुशल संगठन कर्ता बताया है जो पूरे उत्तर भारत के राजाओं के स्वाभाविक नेता बनकर उभरे जिनमें केवल हिंदू शासक ही नहीं बल्कि मेवात के मुस्लिम शासक भी शामिल थे। 80 घाव लगने पर भी वे संघर्ष से पीछे नहीं हटे, उनकी संघर्षशीलता से हम सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में भी 30 जनवरी को महाराणा सांगा की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में अध्यनरत क्षत्रिय युवाओं ने शामिल होकर सांगा को श्रद्धांजलि दी। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली प्रांत प्रमुख महेंद्र सिंह सेखाला ने पूज्य श्री तन सिंह जी द्वारा बदलते दृश्य पुस्तक में राणा सांगा पर लिखे गए आलेख का पठन किया। शक्ति सिंह बांदीकुई एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। चर्चा में सभी ने निरंतर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता जताई एवं आगामी 8-9 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के दो दिवसीय शाखा स्नेह मिलन के आयोजन का भी निर्णय किया गया। चित्तौड़गढ़ में भी जौहर क्षत्राणी संस्था द्वारा राणा सांगा मार्केट स्थित सांगा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष निर्मला कंवर राठौड़ मातृशक्ति सहित उपस्थित रही।

पांचोटा (आहोर) में सिंधल राठौड़ प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जालौर जिले की आहोर तहसील के पांचोटा गांव में स्थित श्री नागणेची माता मंदिर प्रांगण में सिंधल राठौड़ प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का आयोजन बसंत पंचमी (2 फरवरी) को किया गया। समारोह में शिक्षा, खेल, प्रतियोगी परीक्षा आदि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कंवला महंत हरिपुरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए जिससे समाज के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को हमारी संस्कृति और परंपरा से परिचित कराना हम सभी का कर्तव्य है। इसके लिए इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा से ही हम राष्ट्र और समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। माधो सिंह कंवला, मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष जबर सिंह तरवाडा, आयोजन समिति के अध्यक्ष पर्वत सिंह खिंदारा गांव सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखते हुए युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक आगे बढ़ने का आह्वान किया एवं अपनी परंपरा व पहचान को बनाए रखने के लिए समाज से सदैव जुड़े रहने की बात कही। सिंधलावटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों से सैकड़ों समाजबंधु मातृशक्ति सहित कार्यक्रम में शामिल हुए।

अरुण देव गौतम बने छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक

1992 बैच के आईपीएस अधिकारी अरुण देव गौतम को छत्तीसगढ़ का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। उन्होंने 2 फरवरी को सेवानिवृत्त होने वाले अशोक जुनेजा से अपना कार्यभार ग्रहण किया। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के अभयपुर गांव के मूल निवासी अरुण देव की प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से हुई। दसवीं व बारहवीं उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर किया। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री हासिल की। 1992 में इन्हें मध्यप्रदेश कैडर आवंटित हुआ व 2000 में पृथक छत्तीसगढ़ राज्य बनने पर उन्होंने छत्तीसगढ़ कैडर चुना। वे अपनी उत्कृष्ट सेवाओं हेतु संयुक्त राष्ट्र पदक व राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित हो चुके हैं।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org